In the name of Allah the Most Gracious the Ever Merciful

بسم اللہ الرحمن الرحیم

Press Desk
Ahmadiyya Muslim Jamaat
INTERNATIONAL
(INDIA)

شعبہ پریس اینڈ میڈیا بھارت
Office Press & Media
Ahmadiyya Muslim Jama'at India,
Qadian-143516, Distt.Gurdaspur, Punjab, India.
Mobile: +91-99887 57988
Email: pressamjindia@gmail.com
Tel: +91-1872-500282
ahmadiyya_press ahmadiyyapressindia

(A Registered Religious and Charitable Society in India under the Societies Registration Act XXI 1860)

زیرحوالہ/Ref **272**
تاریخ/Date **29-12-2024**

प्रैस नोट

अहमदिया जलसा सालाना का दुआ के साथ शानदार समापन

अपने भाई के लिये यदि अपने हक छोड़ने पड़ें तो छोड़ने का हौंसला पैदा करना जलसा सालाना के उद्देश्यों मे से एक उद्देश

कादियान ज़िला गुरदासपुर
जमाअत अहमदिया भारत के प्रवक्ता के तारिक अहमद ने जारी प्रैस नोट में कहा है कि रविवार देर सांय जमाअत अहमदिया का 129वें जलसा सालाना का समापन सामूहिक दुआ के साथ हुआ ।

इस जलसे को जमाअत अहमदिया के पांचवें रूहानी ख़लीफ़ा हजरत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब ने यूके से एम टी ए इन्ट्रनैशनल सैटेलाईट चैनल के द्वारा संबोधन किया ।

जलसा सालाना में भारत की क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं के अनुवाद की लाईव सहूलत से सभी कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं ताकि विभिन्न स्थानों से आए हुए लोगों को उनके अपने भाषा में अनुवाद सुनाए जा सकें ।

ख़लीफ़ा साहिब ने विश्व भर में शांति स्थापित करने के लिए विशेष दुवाएं कराईं ।

मिर्ज़ा साहिब ने कहा कि संस्थापक जमाअत अहमदिया हजरत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब ने इस जलसे के विशेष रूप से ईश्वरीय जलसा होने की चाह और दुआ की है जिस में हमारी रूहानी और इलमी तरक्की की बातों के साथ तरबीयत की ओर भी लोगों का ध्यान केन्द्रित किया जाता है। एक दूसरे का खयाल रखना , अपने भाई के लिए अगर आवशयकता पड़े तो अपने हक छोड़ने का होसला रखना भी आपसी भाईचारा बढ़ाने का एक बहुत बड़ा साधन है ।

जलसा सालाना भाईचारे का पाठ सिखाता है । जो लोग इस जलसे में शामिल होते हैं उनके अंदर सहानुभूति का जज़बा पैदा होता है और वह देश और कौम के लिये लाभदायक बनने का प्रयत्न करते हैं।

जलसा सालाना 1891 में पहली बार कादियान में आयोजित हुआ था पहले जलसे में केवल 75 लोग ही शामिल हुए थे। लेकिन आज यह जलसा एक सौ से अधिक देशों में आयोजित हो रहा है जिसमें हजारों लोग भाग ले रहे हैं। आज भी संस्थापक जमाअत हजरत मिर्ज़ा गुलाम अहमद साहिब के आदेशों की पालना में खिलाफत प्रणाली के तहत केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए यह जलसा विश्व के कई स्थानों में आयोजित हो रहा है और इसकी बरकात से पूरे संसार के लोग लाभ उठा रहे हैं और अध्यतमिक तरक्की हो रही है।

आज के समारोह के भाषणों का सारांश इस प्रकार है

भाषण संख्या 1: ख़त्म-ए-नबूवत के बारे में जमात-ए-अहमदिया का इस्लामी विश्वास माननीय मंसूर अहमद मसूर साहिब, अध्यक्ष, क़ज़ा बोर्ड, दारुलक़ज़ा, क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय मंसूर अहमद मसूर साहिब ने इस्लाम में *ख़त्म-ए-नबूवत* (नबूवत की मोहर) के विश्वास के बारे में बताया। उन्होंने *ख़त्म-ए-नबूवत* और *ख़ातमुन-नबीयीन* (अंतिम नबी) के संबंध में जमात अहमदिया के विश्वास पर प्रकाश डाला और इसे विस्तार से समझाया।

भाषण संख्या 2: दावत-इल-अल्लाह के लिए हज़रत मसीह मौद (अलैहिस्सलाम) का जज़्बा, हज़ूर अनवर की नसीहतें और जमात अहमदिया की ज़िम्मेदारियां माननीय शेख फातिहुद्दीन साहिब, अतिरिक्त मुबल्लिग़ और विशेष प्रचारक, दिल्ली

सारांश: अपने भाषण में माननीय शेख फातिहुद्दीन साहिब ने दावत-इल-अल्लाह (अल्लाह का संदेश फैलाने) के लिए हज़रत मसीह मौउद (अलैहिस्सलाम) के गहरे जज़्बे का उल्लेख किया। उन्होंने जमात अहमदिया के इमाम, हज़रत मिर्ज़ा मसूर अहमद साहिब, ख़लीफ़तुल मसीह खामिस (अय्यदहुल्लाहु ताला बिनस्रहिल अज़ीज़) द्वारा जमात के सदस्यों को दी गई नसीहतों और उनकी ज़िम्मेदारियों पर भी प्रकाश डाला। यह भाषण जमात के सदस्यों को उनके दावत-इल-अल्लाह के मिशन की अहमियत समझाने के लिए था।

भाषण संख्या 3: हज़रत मसीह मौउद (अलैहिस्सलाम) का जीवनचरित्र (इश्क-ए-रसूल ﷺ के आईने में) माननीय हाफिज मक़दूम शरीफ साहिब, एडिशनल नाज़िर आला, दक्षिण भारत

सारांश: अपने भाषण में माननीय हाफिज मक़दूम शरीफ साहिब ने जमात-ए-अहमदिया के संस्थापक हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौउद (अलैहिस्सलाम) के रसूल-ए-अकरम ﷺ से गहरे प्रेम और भक्ति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विभिन्न घटनाओं के माध्यम से यह बताया कि हज़रत मसीह मौद (अलैहिस्सलाम) का जीवन रसूल-ए-करीम ﷺ से उनके गहरे इश्क का अद्भुत प्रतिबिंब था।

भाषण संख्या 4: धन्यवाद, अधिकारियों और संस्थानों का आभार, और दुआ
माननीय नाज़िर आला, क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय नाज़िर आला क़ादियान साहिब ने इस तीन दिवसीय जलसा सालाना के कार्यक्रमों का वर्णन किया। उन्होंने इस आयोजन में सेवा करने वाले सभी संस्थानों और उनके समर्पित स्वयंसेवकों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। अंत में उन्होंने सभी शामिल होने वालों और सेवा करने वालों के लिए दुआ की।

Tariq Ahmad K
Incharge Press & Media,
Ahmadiyya Muslim Jama'at India.
Mobile: +91-9988757988.